केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 325 बुधवार 25 जून 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पेड से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के गायघाट कस्बे में एक दुखद घटना सामने आई है। मंगलवार दोपहर राजेश चौरसिया नाम के युवक का शव पेड़ से लटका मिला। राजेश पिछले तीन साल से मानसिक अवसाद से जूझ रहे थे।

तीन साल पहले राजेश की पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी। वह दो साल की बच्ची को भी अपने साथ ले गई। इसके बाद उसने किसी अन्य युवक से विवाह कर लिया। इस घटना के बाद से राजेश अकेलेपन में जी रहे थे।

एक ग्रामीण ने गांव के पास पेड़ से लटका शव देखा और शोर मचाया। इसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। मृतक के भाई ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया। कलवारी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पत्नी के जाने के बाद से राजेश अक्सर उदास रहते थे। वह धीरे–धीरे नशे के आदी हो गए थे। उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब थी। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी तरह टूट चुके थे। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है। फिर भी सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मृतक के परिवार में शोक का माहौल है।

ट्रैक्टर चालक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र में मूड़घाट के पास एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान डारीडीहा निवासी राजेंद्र चौधरी (55) के रूप में हुई है। घटना मंगलवार सुबह दस बजे की है। राजेंद्र चौधरी रोजाना की तरह काम पर निकले थे। मूड़घाट के पास एक दुकान के सामने वह ट्रैक्टर में लगी प्रेशर ट्राली की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उनका सिर ट्राली में फंस गया।

दुकान मालिक और आसपास के लोगों ने उन्हें तड़पते देखा। तुरंत एंबुलेंस को बुलाया गया। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक का बेटा उत्तर प्रदेश पुलिस में बहराइच में कांस्टेबल के पद पर तैनात है। परिजनों ने उसे सूचना दे दी है। वह अंतिम संस्कार में शामिल होने बस्ती आ रहा है। जिला अस्पताल में मौजूद मृतक के भाई परशुराम चौधरी ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है।

मिलजुलकर मनाये त्यौहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मोहर्रम त्यौहार के अवसर पर जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने पीस कमेटी की बैठक पुलिस लाइन सभागार में आहूत की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लोगों को शांति एवं सौहार्द के साथ मुहर्रम का त्यौहार मनाये जाने की अपील की तथा त्यौहार के आयोजन के सम्बन्ध में शासन द्वारा जारी गाइडलाइन से भी अवगत कराया और लोगों से अपेक्षा किया कि शासन व प्रशासन द्वारा जारी हिदायत पर अमल करें और सौहार्द के साथ मिलजुलकर त्यौहार मनायें।

सीज फायर बेअसर युद्ध जारी

तेहरान (आभा)। ईरान की राजधानी तेहरान में मंगलावर को दो धमाके होने की खबर है। न्यूज एजेंसी मिजानऔर शार्ग अखबार ने यह जानकारी दी। विस्फोट उस समय हुए जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल से ईरान पर बमबारी न करने की अपील की थी। यह अपील मंगलवार को ही घोषित युद्धविराम के बाद की गई थी। ईरानी समाचार पत्रों एतेमाद और मिहान के अनुसार, तेहरान से लगभग 200 किलोमीटर कैस्पियन सागर के तट पर स्थित बाबोल और बाबोलसर शहरों में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इन क्षेत्रों में एयर डिफेंस सिस्टम भी एक्टिव कर दिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले ही कहा कि इजरायल और ईरान दोनों ने युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। ट्रंप की ओर

विद्यालयों के समायोजन के फैसले को वापस ले सरकार– दीनदयाल त्रिपाठी

–मेधा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों के समायोजन के विरोध में मंगलवार को मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सी.आर.ओ. को सौंपा। मांग किया कि उत्तर प्रदेश की सरकार शिक्षा विरोधी इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस ले।

ज्ञापन देने के बाद मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर दिये जाने की जिम्मेदारी केन्द्र और राज्य सरकार की है। शिक्षा अमीरी, गरीबी के दो पाटों में पिस रही है। परिषदीय विद्यालयों में अब अधिकांश गरीबों के बच्चे पढते हैं। कहा कि सरकार को उन्हें बेहतर शिक्षा देकर सुयोग्य नागरिक बनाना था कहां स्कूल ही बंद करने का फरमान आ गया है। मेधा निरन्तर शिक्षा के सवाल पर संघर्षरत है। शिक्षा के बाजारीकरण और स्कूलों को बंद किये जाने के विरोध में चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। आगामी 28 जून को बापू प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय उपवास कर सरकार से मांग किया जायेगा कि शिक्षा विरोधी अपने निर्णय को वापस ले।

राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', प्रमोद यादव, राहुल तिवारी, अंशू चौरसिया, ग्रीश चन्द्र गिरी, प्रतीक मिश्र, प्रशान्त मिश्र आदि शामिल रहे ।

बैंठक में आये किन्नरों ने लगाये उपेक्षा का आरोप

-इंदिरा चेरिटेबल सोसायटी ट्रांसजेन्डर समाज के उत्थान के लिये गंभीर- अजय पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ट्रांसजेन्डर समाज के उत्थान, उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये जिलाधिकारी रविश कुमार ने किन्नर समाज और इंदिरा चेरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों से वार्ता किया।

बैठक के बाद तीन गुरू घरानों और समूहों में विभाजित कुछ किन्नरों का गुस्सा फूट पडा। उनका कहना है कि इंदिरा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा केवल काजल किन्नर को महत्व दिया जाता है। वही राज्यपाल से मिलती है, शेष लोगों को वह महत्व और मौका नहीं मिलता। किन्नर समाज की गुरू शानिया मोहम्मद शमीखान ने कहा कि किन्नर समाज के विकास के लिये सरकार जो कदम उठा रही है वह सराहनीय है किन्तु सभी किन्नरों को इसकी जानकारी होनी चाहिये। किन्नर कशिश, सुमन किन्नर आदि का कहना है कि जो भी योजनायें ट्रांसजेन्डर समाज के उत्थान के लिये लागू की जाती हैं उसका लाभ सबको मिले। उनको भीड के रूप में इस्तेमाल न किया जाय।

इंदिरा चेरिटेबल सोसायटी के सीईओ अजय कुमार पाण्डेय का इस सम्बन्ध में कहना है कि ट्रस्ट लगातार ट्रांसजेन्डर समाज के उत्थान, के लिये प्रयासरत है। जनपद में गरिमा गृह की स्थापना को राज्यपाल ने गंभीरता से लिया है। बस्ती के जिलाधिकारी भी गंभीर है। उम्मीद है कि किन्नर समाज को बेहतर शिक्षा, रोजगार और उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने में ट्रस्ट सफल होगा। किन्नरो के आरोपों के बारे में अजय पाण्डेय ने बताया कि अभी किन्नर समाज तीन गुरू परम्परा में बंधे हैं और इनका क्षेत्र को लेकर आपस में विवाद चलता रहता है। जैसे–जैसे जागरूकता आयेगी समस्यायें हल होती जायेंगी। ट्रस्ट इस दिशा में लगातार प्रयत्नशील है।

विश्व हिन्दू महासंघ ने डीएम के माध्यम से सैनिकों के लिये भेजा 111 यूनिट रक्तदान का पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को विश्व हिन्दू महासंघ के निवर्तमान जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 111 यूनिट रक्तदान से सम्बंधित पत्र भेजा गया। अखिलेश सिंह ने जिलाधिकारी को बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54 वे जन्म दिवस पर देश के सैनिको के लिये 111 यूनिट रक्तदान रक्तदान किया गया। यह सैनिकों, उनके परिजनों को समर्पित है। रक्तदान का प्रमाण–पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया है।

विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा निर्देश के अनुरूप सैनिकों को समर्पित रक्तदान कार्यक्रम में लोगों ने बढ चढकर भागीदारी किया था।

जिलाधिकारी को पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से अंकित सिंह, अजय मिश्रा, प्रमोद पाण्डेय ,रतन कुमार , जवाहर लाल चौधरी ,रूप नारायण गौड़ ,अंकित सिंह महादेवा, सोमाई प्रजापति, अर्पण श्रीवास्तव 'चन्दन' दुर्गेश बाबा, सौरभ चतुर्वेदी ,अमरीश तिवारी, बाबूलाल यादव ,उमेश श्रीवास्तव, विक्रांत प्रताप सिंह, उपेन्द्र प्रताप सिंह, अभय सिंह ,सौरभ त्रिपाठी के साथ ही महासंघ के अनेक लोग शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों को बंद किये जाने के निर्णय के विरोध में राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

-शिक्षा विरोधी निर्णय वापस ले सरकार-आर.के. आरतियन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों को बंद किये जाने के सरकार के निर्णय के विरोध में धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन के सिलसिले तेज हो गये है। इसी कड़ी में मंगलवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के संयोजन में दो और संगठनों राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारतीय विद्याथी मोर्चा, राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया। धरने के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि सरकार अपना निर्णय वापस ले।

ज्ञापन सौंपने के बाद भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि यदि परिषदीय विद्यालय बंद हो गये तो गरीबों, दलितों, अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र शिक्षा से वंचित हो जायेंगे। यह निर्णय पूरी तरह से शिक्षा विरोधी है। प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयो के युग्मन के निर्णय को वापस ले। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला प्रभारी राम सुमेर यादव ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि सबको शिक्षा मिले। सरकार गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देने का षड़यंत्र न करे। फैसले को वापस लिया जाय। धरने के बाद ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से रिफाकत अली, बुद्ध प्रिय पासवान, रंगई प्रसाद, हृदय गौतम, चन्द्र प्रकाश गौतम, भूपेन्द्र चौधरी, रंगीलाल, रामजीत, चन्द्रिका प्रसाद के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे ।

ट्रांसजेन्डरों का सत्यापन कराकर बनवाया जायेगा मतदाता पहचान पत्र, बनेगा आयुष्मान कार्ड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में ट्रांसजेन्डर समुदाय के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने किया। जिलाधिकारी ने इन्दिरा चेरीटेबल सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय को निर्देश दिया कि ट्रांसजेन्डरों का सत्यापन कराकर मतदाता पहचान पत्र बनवाया जाय तथा ट्रांसजेन्डर प्रमाण पत्र के आधार पर चयनित 11 ट्रांसजेन्डरों का आयुष्मान कार्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी व जिला समाज कल्याण अधिकारी से समन्वय स्थापित कर शासन के निर्देशानुसार बनावाया जाय।

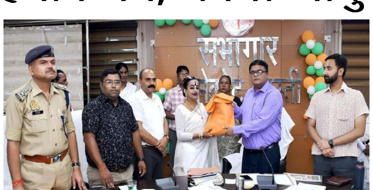

जिलाधिकारी ने कहा कि इस समुदाय से सम्बन्धित लोग कोई प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो उसकी सूचना अवश्य दे दें जिससे उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कराया जा सके। उन्होंने बीएसए अनूप तिवारी को निर्देश दिया कि संचालित स्मार्ट क्लास के आयोजन में योग्य शिक्षकों को भेजा जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने 5 ट्रांसजेन्डरों को ट्रांसजेन्डर प्रमाण पत्र भी दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, सीएमओ डा0 राजीव निगम, अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, सदस्य ट्रांसजेन्डर सुरक्षा सेल श्याम नारायण शुक्ल सहित ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

ट्रंप का दावा- सीजफायर लागू, इजराइल नहीं करेगा हमला

वाशिंगटन (आभा)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान–इस्राइल की तरफ से युद्धविराम का उल्लंघन किए जाने कुछ देर बाद फिर से जानकारी साझा की है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा– 'इस्राइल ईरान पर हमला नहीं करेगा। सभी विमान पलटकर घर लौटेंगे और ईरान के प्रति दोस्ताना श्प्लेन वेवश करेंगे। किसी को कोई नुकसान नहीं होगा, युद्धविराम लागू है!श वहीं इसके कुछ देर बाद ही ट्रंप ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा– ईरान कभी भी अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण नहीं करेगा! वहीं इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह ईरान में शासन परिवर्तन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं, क्योंकि अस्थायी युद्ध विराम लागू हो गया है। वहीं इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करने के बाद ईरान के खिलाफ कठोर हमले को रोक दिया है।

समाजवादियों ने महारानी दुर्गावती को बलिदान दिवस पर किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार को महारानी दुर्गावती का 461 वां बलिदान दिवस उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में मनाया गया। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी ने रानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे देश की वो वीरांगना हैं, जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से युद्ध कर वीरगति को प्राप्त किया। वह बहुत ही बहादुर और साहसी महिला थीं। मो. स्वालेह, जमील अहमद, रन बहादुर, मो. सलीम, संजय गौतम, गीता भारती, पंकज निषाद, जोखू लाल, अरविन्द सोनकर, रिन्टू यादव आदि ने कहा कि रानी दुर्गावती का जन्म पांच अक्तूबर 1524 को प्रसिद्ध राजपूत चंदेल सम्राट कीरत राय के परिवार में हुआ। इनका जन्म चंदेल राजवंश के कालिंजर किले में जोकि वर्तमान में बांदा उत्तर प्रदेश में स्थित है, में हुआ। भारत भूमि पर जन्म लेने वाली रानी दुर्गावती के साहस और वीरता की भी गाथाएं भरी पड़ी है. यह बात अलग है कि उन्हें इतिहास में वह स्थान और सम्मान नहीं मिला जो अन्य राजाओं और रानियों की वीरता को मिला है। महान वीरांगना रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने हाथों से अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उनके बलिदान से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

अध्यक्षता करते हुये सपा के वरिष्ठ नेता जावेद पिण्डारी ने कहा कि गोड़वाना की रक्षा के लिये रानी दुर्गावती ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। रानी दुर्गावती की बीरता को सदैव स्मरण किये जाने की आवश्यकता है।

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से हनुमान चौधरी, नितराम चौधरी, भोला पाण्डेय, राजदेव, नीलू सिंह, तूफानी यादव, रमेश गौतम, लालमन यादव, रितिक, रईस, रामजीत यादव, प्रशान्त यादव, विजय लक्ष्मी, दिनेश तिवारी, राहुल सिंह, वीरेन्द्र यादव, देवेन्द्र श्रीवास्तव, मंशाराम कन्नौजिया, युनुस आलम, इरशाद अहमद, विश्वम्भर चौधरी, राजेश यादव, गौरीशकर, तनवीर, रहमान सिद्दीकी, अशोक यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों के युग्मन करने का निर्णय वापस ले सरकार –डॉ. अरविन्द

–शैक्षिक महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिलाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार निषाद ने पदाधिकारियों और शिक्षकों के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और बीएसए के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि परिषदीय विद्यालयों का युग्मन करने का निर्णय सरकार वापस ले।

ज्ञापन सौंपने के बाद डॉ. अरविन्द कुमार निषाद ने कहा कि युग्मन करने से विद्यालय बंद हो जायेंगे और सबको शिक्षित करने का लक्ष्य अधूरा रह जायेगा। जिन क्षेत्रों में विद्यालय बंद होंगे वहां के छात्र या तो निजी स्कूल में जायेंगे या पढाई छोड़ देंगे। यह निर्णय शिक्षा पाने के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। सरकार व्यापक जनहित में इसे वापस ले।

मुख्यमंत्री और बीएसए को ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष कुंवर राकेश प्रताप सिंह, जिला महामंत्री अटल बिहारी गौड़, डॉ. अंगद पाण्डेय, जर्नादन शुक्ल, राजकुमार प्रजापति, पंकज गिरी, विजय गिरी, अविनाश शुक्ल, डा. दुर्गा प्रसाद सिंह, डा. अनिल यादव, अमरेन्द्र चौधरी, हरि प्रसाद मिश्र, रामकेवल, हरिप्रकाश यादव, दुःखराम चौधरी, लवकुश वर्मा, लालजी वर्मा, आत्मा प्रसाद, दिनेश चौधरी, विनोद कुमार, अरूण कुमार, राम प्रीत मौर्या के साथ ही महासंघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

समाज की रक्षा के लिए शहीद हुई महारानी दुर्गावती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारत वर्षीय गोंड महासभा की ओर से मंगलवार को प्रेस क्लब बस्ती सभागार में वीरांगना महारानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया। महारानी की वीरता का बखान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि अपनी वीरता से दुश्मनों के दांत खट्टे कर दी थीं, कभी सिर नहीं झुकाया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बलराम गोंड व संचालन महामंत्री अमित गोंड ने किया। कार्यक्रम में गोंड समाज के लोगों को अनुसूचित जाति, जन जाति का प्रमाण–पत्र निर्गत किये जाने का मामला छाया रहा।

-बलिदान दिवस पर योगदान पर चर्चाः गोंड समाज ने किया जाति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने की मांग

मुख्य अतिथि गोंड सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के पूर्व सदस्य राजेंद्र प्रसाद गोंड रहे। उन्होंने कहा कि समाज की रक्षा के लिए महारानी दुर्गावती शहीद हुई। कहा कि महारानी की वीरतापूर्ण चरित्र को भारतीय इतिहास से इसलिए काटकर रखा गया, क्योंकि उन्होंने मुस्लिम शासकों के विरुद्ध कड़ा संघर्ष किया था और उनको अनेक बार पराजित किया था।

विशिष्ट अतिथि रामनाथ गोंड, सुखराम गोंड, रामलला गोंड, शुभम गोंड के साथ ही अवधेश नरायन, काशी प्रसाद गोंड, जतिन गोंड आदि ने कहा कि सूबेदार बाजबहादुर ने महारानी दुर्गावती पर बुरी नजर डाली थी लेकिन उसको मुंह की खानी पड़ी। दूसरी बार के युद्ध में दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। महारानी ने 16 वर्ष तक राज संभाला। इस दौरान उन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं, धर्मशालाएं बनवाईं। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने वीरंगना दुर्गावती के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेश चन्द्र गोंड, राजकुमार गोंड, हनुमान गोंड, शशि प्रकाश गोंड, राजेश गोंड, महेश चन्दबंशी, सालिकराम गोंड, महेश गोंड, गुड्डू गोंड, अरूण गोंड, वृजमोहन गोंड, अजय गोंड, अभिषेक गोंड, बैजनाथ गोंड, अनिल आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 जून 2025 बुधवार

सम्पादकीय

उप चुनाव का जनादेश

भारतीय विपक्ष, जिसे इंडिया गठबंधन के रूप में बिखराव की स्थिति में माना जा रहा था, उसने गत उन्नीस जून को हुए उपचुनावों में, पांच में से चार सीटें जीत ली हैं। भाजपा पांच राज्यों में से सिर्फ एक सीट जीत सकी है। सबसे बड़ी उपलब्धि आप को हासिल हुई है, जिसने न केवल पंजाब की प्रतिष्ठित लुधियाना सीट जीती बल्कि मोदी–शाह के गढ़ में भी एक महत्वपूर्ण सीट जीतने में कामयाबी हासिल की है। गुजरात की विसावदर सीट जीती है, उस राज्य में जहां भाजपा तीन दशक से सत्ता में है। आप विधायक द्वारा पार्टी बदलने के बाद भाजपा को उम्मीद थी कि सीट उसकी झोली में आएगी, लेकिन आप ने इस झटके से उबरकर भाजपा उम्मीदवार को पराजित किया। उल्लेखनीय है कि 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में आप ने पांच सीटें जीतकर भाजपा शासित राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की थी। आमतौर पर उपचुनाव सत्तारूढ़ दल की पार्टी ही जीतती रही है, जैसा कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट आप ने तथा पश्चिम बंगाल में कालिगंज सीट तृणमूल कांग्रेस ने जीती हैं। वहीं केरल में उलट–फेर करते हुए कांग्रेस गठबंधन सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक गठबंधन यानी एलडीएफ से नीलाम्बुर सीट छीनने में सफल रहा। ऐसे समय में यह चिंता की बात है जब विधानसभा चुनाव में एक साल से कम समय रह गया है। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस पार्टी गुटबाजी से जूझ रही है। हाई–प्रोफाइल और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने आरोप लगाया था कि उन्हें चुनाव प्रचार के लिये पार्टी ने आमंत्रित नहीं किया था। लेकिन पार्टी का कहना है कि वे स्टार अभियान चलाने वालों में सूचीबद्ध रहे हैं। दरअसल, थरूर के पार्टी हाईकमान से उस समय मतभेद उजागर हुए थे जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिये विदेशों में चलाए गए बहु–पार्टी अभियान में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। भविष्य बताएगा कि आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थरूर को कांग्रेस कैसे संभालती है।

बहरहाल, केरल व पश्चिम बंगाल के उपचुनावों की विफलता ने भाजपा को परेशान जरूर किया होगा। जो इन विपक्ष के अंतिम गढ़ों में सत्ता की बाट जोह रही है। हालांकि, उस भाजपा को कमतर आंकना भूल होगी, जो हर बाधा को पार करने की कला जानती है। बहरहाल, पंजाब में आप ने लुधियाना पश्चिम सीट जीतकर कई समीकरण साधे हैं। यह जीत सिर्फ मध्यावधि चुनाव की जीत नहीं है बल्कि पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी आम आदमी पार्टी का हौसला बढ़ाने वाली जीत है। आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की कांग्रेस के अनुभवी नेता भारत भूषण आशु पर 10,637 मतों की निर्णायक जीत शहरी क्षेत्रों में आप की पकड़ को दर्शाती है। ये सीट कभी कांग्रेस–भाजपा का गढ़ मानी जाती थी, यहां हिंदू मतदाताओं और कारोबारी बिरादरी का वर्चस्व रहा है। आप द्वारा समय पर पार्टी प्रत्याशी के चयन व घोषणा का लाभ पार्टी को मिला। अरोड़ा राजनीति में नवागंतुक के रूप में भी साफ–सुथरी पृष्ठभूमि और औद्योगिक अनुभव के साथ एक विश्वसनीय चेहरे के रूप में चुनाव में उतरे। जिसका लाभ पार्टी को मिला। यही वजह है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के ऊर्जावान चुनाव अभियान से कम मतदान वाले चुनाव में भी पार्टी को जीत मिली। वहीं अनुभवी कांग्रेसी नेता आशु पर राजनीतिक विवाद भारी पड़े। पार्टी में गुटबंदी से कमजोर कांग्रेस ने उस सीट पर हार का सामना किया, जो 2012 व 2017 में उसकी झोली में थी। वहीं भाजपा, जो लुधियाना के व्यापारियों व हिंदू मतदाताओं के बीच पारंपरिक रूप से एक मजबूत आधार रखती थी, इस उपचुनाव में तीसरे स्थान पर सिमट गई। शिरोमणि अकाली दल जो कभी पंजाब की प्रमुख पार्टी मानी जाती थी, अब जीत के लिये संघर्ष करती नजर आ रही है। इस जीत से आप को अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल का मौका मिला है, वहीं पार्टी सुप्रीमो के लिये राज्यसभा में जाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। ऐसे वक्त में जब राज्य में विधानसभा चुनाव में 19 महीने का समय बचा है, इस जीत के आप के लिये गहरे निहितार्थ हैं।

अमेरिकी हमलों के बाद पाकिस्तान की 'नोबेल डिप्लोमेसी'

–नीरज कुमार दुबे–

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर को अपने अमेरिका दौरे पर इतराते हुए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किये हुए 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि पाकिस्तान एक बड़े राजनयिक संकट में फंस गया और उसे ऐसा डिप्लोमेटिक यूटर्न लेना पड़ा जोकि राजनय के इतिहास में हमेशा के लिए हास्यास्पद घटना के तौर पर देखा जायेगा। हम आपको बता दें कि जैसे ही पाकिस्तान ने 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रंप को नामांकित करने की घोषणा की उसके कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर बंकर बलास्टर बम बरसवा कर मध्य पूर्व में युद्ध का खतरा पैदा कर दिया। ऐसे में पाकिस्तान के लिए सिर मुंडाते ही ओले पड़ने वाली स्थिति पैदा हो गयी। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का मजाक म्हह वद लवनत बिम वाली अंग्रेजी कहावत का संदर्भ देकर भी उड़ाया जाने लगा। हम आपको बता दें कि इस कहावत का हिंदी में मतलब है शर्मिंदा होना या मूर्ख दिखना। ईरान पर अमेरिकी हमलों से पहले डोनाल्ड ट्रंप को विश्व का शांति दूत करार दे रहे पाकिस्तान ने अमेरिकी बमवर्षक विमानों के हमले की निंदा वाला बयान जारी करते हुए कहा कि ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघनष हैं। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत ईरान को आत्मरक्षा का वैध अधिकार है।

हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान के कुछ नेताओं और प्रमुख हस्तियों ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर अमेरिका के हमले के बाद सरकार से 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। इसलिए देखना होगा कि क्या पाकिस्तान सरकार नोबेल पुरस्कार समिति से की गयी अपनी सिफारिश को वापस लेती है या नहीं? हालांकि उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के हस्ताक्षर वाला अनुशंसा–पत्र नॉर्वे में नोबेल शांति पुरस्कार समिति को भेजा जा चुका है। लेकिन अमेरिका द्वारा ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केन्द्रों पर हमले किए जाने के बाद इस फैसले को लेकर पाकिस्तानी नागरिकों, संगठनों और मीडिया की ओर से आपत्तियां आने लगी हैं।

पाकिस्तान के कई प्रमुख राजनेताओं ने शहबाज शरीफ सरकार से नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर अपने फैसले की समीक्षा करने की मांग की है। जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम (जेयूआई–एफ) के प्रमुख वरिष्ठ नेता मौलाना फजलुर रहमान ने मांग की है कि सरकार अपना फैसला वापस ले। फजल ने पार्टी की एक बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप का शांति का दावा झूठा साबित हुआ हैय नोबेल पुरस्कार के लिए प्रस्ताव वापस लिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप की हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बैठक और दोनों के साथ में भोजन करने से 'पाकिस्तानी शासकों को इतनी खुशी हुई' कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित करने की सिफारिश कर दी। फजल ने सवाल किया, ''ट्रंप ने फलस्तीन, सीरिया, लेबनान और ईरान पर इजराइल के हमलों का समर्थन किया है। यह शांति का संकेत कैसे हो सकता है?'' उन्होंने कहा, ''जब अमेरिका के हाथों पर अफगानों और फलस्तीनियों का खून लगा हो, तो वह शांति का समर्थक होने का दावा कैसे कर सकता है?''

वहीं पाकिस्तान के पूर्व सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने 'एक्स' पर लिखा, ''चूंकि ट्रंप अब संभावित शांतिदूत नहीं रह गए हैं, बल्कि एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने जानबूझकर एक अवैध युद्ध छेड़ दिया है, इसलिए पाकिस्तान सरकार को अब नोबेल पुरस्कार के लिए उनके नाम की सिफारिश पर पुनर्विचार करना चाहिए, उसे रद्द करना चाहिए!'' उन्होंने कहा कि ट्रंप इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल की 'युद्ध लॉबी' के जाल में फंस गए हैं और अपने राष्ट्रपति पद की सबसे बड़ी भूल कर रहे हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के सांसद अली मुहम्मद खान ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर ''पुनर्विचार करें'' लिखा। उन्होंने ''ईरान पर अमेरिकी हमले और गाजा में इजराइल द्वारा की गई हत्याओं के लिए निरंतर अमेरिकी समर्थन'' होने का दावा किया।

साथ ही, अमेरिका में पाकिस्तान की पूर्व राजदूत मलीहा लोधी ने अपनी सरकार के इस कदम को "दुर्भाग्यपूर्ण" करार दिया और कहा कि यह जनता के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार मारियाना बाबर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि "आज पाकिस्तान भी बहुत अच्छा नहीं दिखता है"। उन्होंने ट्रंप के नाम की सिफारिश वाली पाक सरकार की पोस्ट को साझा करते हुए यह बात कही। इसके अलावा, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता फातिमा भुट्टो ने कहा, "क्या पाकिस्तान नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनके (ट्रंप के) नाम की सिफारिश वापस लेगा?वहीं, पत्रकार तलत हुसैन ने कहा कि ष्यह मानसिक गुलामी और अमेरिकी स्वीकृति पाने की बेताबी को दर्शाता है।ष इसके अलावा, राजनीतिक विश्लेषक मुशर्रफ जैदी ने कहा, ष्जनता के बीच असंगति को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। यह पाकिस्तान की नैतिक स्थिति को कमजोर करता है और इसे सौदेबाजी वाली कूटनीति के रूप में पेश करता है।ष हम आपको यह भी बता दें कि ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर #NobelForWar vkSj # Trump NominationShame जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे थे। इस तरह ट्रंप के नाम का नोबेल के लिए सिफारिश कर पाकिस्तान ने जो कूटनीतिक उपलब्धि हासिल करनी चाही थी वह अब एक बड़ी चूक साबित हो चुकी है।

बहरहाल, शहबाज शरीफ सरकार भले अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने के लिए तरह–तरह की रणनीति अपना रही है, लेकिन उसकी सारी चालें उलटी पड़ती जा रही हैं। ट्रंप को पूरी दुनिया में सिर्फ पाकिस्तान ने ही शांति पुरुष कहा और ईरान पर हमले के ठीक बाद जिस तरह इस्लामाबाद ने बड़ी तेजी दिखाते हुए निंदा वाला बयान जारी कर दिया उससे पूरी दुनिया में यह संदेश चला गया है कि पाकिस्तान की बातों का कभी भी भरोसा नहीं किया जा सकता और वह किसी का सगा नहीं है। साथ ही, पाकिस्तान में जिस प्रकार अपनी सरकार और सेना की ओर से ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की सिफारिश का विरोध किया जा रहा है उसको देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पाकिस्तान सरकार अपना फैसला वापस लेती है? यह देखना भी रुचिकर होगा कि पाकिस्तान सरकार की सिफारिश पर नोबेल शांति पुरस्कार समिति का क्या रुख रहता है?

रक्षा निर्यातक बनने के बीच चुनौती

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां रूस–यूक्रेन, इस्राइल–हमास और इस्राइल–ईरान जैसे युद्ध चल रहे हैं, वहीं भारत–पाकिस्तान के बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी सैन्य तैयारी की गंभीरता को रेखांकित किया है। ऐसे माहौल में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ है। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आयातक से निर्यातक देश बनने की ओर बढ़ता भारत अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने देश के रक्षा निर्माण और निर्यात को गति दी है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2017–18 में मात्र 1,521 करोड़ रुपये था, जो 2023–24 में बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब रक्षा निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के 85 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात किया है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख रक्षा उत्पादों में आर्टिलरी गन सिस्टम्स (धनुष) आकाश मिसाइल प्रणाली, राडार सिस्टम्स (स्वाति राडार), गश्ती नौकाएं और मिसाइल बोट्स, डोर्नियर एयरक्राफ्ट, 'ध्रुव', बुलेटप्रूफ जैकेट्स, हेल्मेट्स, स्मॉल आर्म्स और गोला–बारूद, ड्रोन, यूएवी आदि शामिल हैं। सरकार ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं मसलन रक्षा उत्पादन नीति, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन, विदेशों में रक्षा अटेचेज की नियुक्ति, सिंगल विंडो क्लियरेंस, डिफेंस एक्सपो जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रमों के साथ–साथ टाटा, एल एंड टी, भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों ने डिफेंस निर्यात को नया आयाम दिया है। सरकार ने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है, जिससे निजी कंपनियां भी रक्षा उत्पादन और निर्यात में भाग ले सकें। रक्षा निर्यात से जुड़े लाइसेंस और परमिशन अब सिंगल विंडो सिस्टम से मिल रहे हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली भारत की रक्षा तकनीक की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित की गई है। अब यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि भारत के डिफेंस निर्यात की पहचान भी बन रही है। भारत ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात करने की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। यह भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइलों में से एक मानी जाती है। यह भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट सेक्टर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि इससे भारत विश्व के चुनींदा मिसाइल निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है।

जनवरी, 2022 में, भारत ने फिलीपींस के साथ लगभग 375 मिलियन डॉलर (करीब 2700 करोड़ रुपये) का सौदा किया। इस सौदे के तहत भारत शिप–लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर रहा है। यह भारत की पहली बड़ी मिसाइल निर्यात डील है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, यूएई, ब्राजील, अर्जेंटीना आदि देशों को कृ (संभावित ग्राहक) भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की पेशकश की है। ब्रह्मोस के 'लैंड, शिप और एयर वर्जन' को लेकर इन देशों में रुचि जताई गई है।

ब्रह्मोस निर्यात भारत की तकनीकी और सामरिक क्षमताओं को दर्शाता है। ब्रह्मोस जैसे हाई–एंड हथियारों के निर्यात से भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही दक्षिण चीन सागर और इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत होती है। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' की वैश्विक छवि निखर रही है।

भारत का लक्ष्य है कि वह 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इसमें एक प्रमुख स्तंभ बने। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना न केवल विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया है, बल्कि यह भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करता है। इससे भारत की 'सॉफ्ट पॉवर' और 'स्ट्रैटेजिक पावर' दोनों को बढ़ावा मिलता है।

भारत को आने वाले वक्त में वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी आवश्यकताओं और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियों से जूझना होगा। कारगर रणनीतियां और निजी क्षेत्र की सक्रियता इस राह को आसान बना सकती हैं। इनसे निपटने के लिए भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश, रक्षा स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

भारत का डिफेंस सेक्टर अब आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक योगदानकर्ता बनने की ओर अग्रसर है। भविष्य में भारत रक्षा उत्पादों के लिए विश्व का प्रमुख निर्यातक बन सकता है जो न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि रणनीतिक रूप से भी देश को वैश्विक मानचित्र पर नई ऊंचाई प्रदान करेगा।–लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

फेक नैरेटिव और सिसकती इंसानियत

–क्षमा शर्मा–

इस्राइल–ईरान युद्ध के खात्मे का इंतजार दुनिया को था कि विश्व का दरोगा अमेरिका इसमें कूद पड़ा। दुनिया पहले ही रूस–यूक्रेन युद्ध से परेशान थी, इस बीच भारत–पाकिस्तान के बीच भी कुछ दिनों का युद्ध हो चुका था। अमेरिका का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम दुनिया के लिए खतरा है। ईरान पर बम बरसाने से पहले अमेरिका ने धमकी भी दी थी कि वह फौरन इसे रोके। यह बात बिल्कुल ठीक है कि परमाणु अस्त्र पूरी मानवता के लिए आफत की तरह हैं। जापान के हिरोशिमा–नागासाकी पर जो बम गिराए गए थे, उनकी विनाशक क्षमता आज के परमाणु हथियारों के मुकाबले बहुत कम थी। तब भी जापान ने इसे दशकों तक भुगता। आज तो ऐसे हथियार हैं, जो पल भर में दुनिया को खत्म कर सकते हैं। ऐसे में हे अमेरिकियों, जितने मारक हथियारों के जखीरे आपके पास हैं, दूसरे देशों को उपदेश देने से पहले, उन्हें नष्ट क्यों नहीं कर देते। क्या वे दुनिया के लिए खतरा नहीं हैं३.या कि उसी तर्क पर चलते हो कि जबरा मारे और रोने भी न दे।

जब अमेरिका के खिलाफ ये बातें की जा रही हैं, तब इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि ईरान का पक्ष लिया जा रहा है। मानव अधिकारों के मामले में ईरान की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। दशकों पहले जब ईरान के इस्लामिक आंदोलन ने शाह रजा पहलवी को खदेड़ दिया था और पेरिस में निर्वासित जीवन बिताने वाले खोमेनी को हाथो हाथ लिया था, तब की याद आती है। खोमेनी के पक्ष में वहां जो युवा शाह के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे, उनमें से बहुत से खुद को इस्लामिक मार्क्ससिस्ट कहते थे। जब खोमेनी पेरिस से लौटे, तो उनकी कार को कंधे पर उठा लिया गया था। बाद में सबसे पहले खोमेनी ने इन्हीं इस्लामिक मार्क्ससिस्ट कहने वाले लोगों को सरेआम मौत के घाट उतरवाया था। शाह ने स्त्रियों को घर की चारदीवारी से निकाला था, उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाई थी, खोमेनी ने उन्हें वापस सदियों पहले की स्थिति में धकेल दिया।

अब वहां स्त्रियां अपने आप कुछ नहीं कर सकतीं। न बैंक अकाउंट खोल सकती हैं, न बिना माता–पिता की लिखित अनुमति के पढ़ सकती हैं, न नौकरी कर सकती हैं। न शादी ही। सिर से हिजाब जरा–सा खिसका नहीं कि आफत आई नहीं। अफगानिस्तान की तरह ही वहां भी स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार नहीं हैं। इसे धर्म और हमारी संस्कृति कहकर रफा–दफा कर दिया जाता है। लेकिन अमेरिका जिसका ट्रेक रिकॉर्ड दुनिया भर के तानाशाहों को पालना–पोसना रहा है, वह मनमाने तरीके से मानव अधिकारों की व्याख्या करता है। चाहे डेमोक्रेट्स हों या रिपब्लिकंस, उनकी नजर सिर्फ अपने यहां पूंजीपतियों के हितों को देखने की होती है। मानव अधिकार आदि की बातें तो दुनिया को दिखाने के लिए होती हैं।

इस सिलसिले में जान पर्किन्स की मशहूर पुस्तक 'कन्फेशन्स ऑफ ऐन इकोनॉमिक हिटमैन' पढ़ी जा सकती है। जान खुद इकोनामिक हिटमैन रहे हैं यानी कि दूसरे देशों में अमेरिकी पूंजीपतियों के हितों को हर हाल में संरक्षित करने वाले।

फिर दूसरा देश अपने यहां क्या करना चाहता है, इसमें दखल देने वाले आप कौन हैं। अमेरिका अपने यहां कौन से हथियार विकसित कर रहा है, यदि किसी दूसरे देश को यह बात पसंद न आए तो क्या वह अमेरिका पर उसी तरह हमला कर दे, जैसे अमेरिका करता है। कल अगर भारत की सत्ता आपकी बात न माने, तो आप उस पर भी चढ़ दौड़ेंगे। ये बात अलग है कि कभी वियतनाम से पिटेंगे, तो कभी अफगानिस्तान से सिर पर पांव रखकर भागेंगे।

आपको नब्बे का दशक याद होगा। अमेरिका, ईराक पर टूट पड़ा था। बहाना बनाया था कि ईराक के पास ऐसे रासायनिक हथियार हैं, जो विश्व को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह कभी प्रमाणित नहीं हो सका। लेकिन सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई। उनका वह चित्र छपा था, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते थे। उनका सिर एक ओर पड़ा था और धड़ एक ओर।

नब्बे के दशक में ही भारत में टेलीविजन घर–घर पहुंच चुका था। ईराक, अमेरिका की लड़ाई का पहली बार लाइव प्रसारण लोगों ने घर बैठकर देखा था और रोमांचित हुए थे। आज इक्कीसवीं सदी के पचीसवें वर्ष में इस्राइल, अमेरिका, ईरान युद्ध की तस्वीरें, लाइव प्रसारण भी खूब दिख रहे हैं।

बीबीसी और न्यूयार्क टाइम्स ने बताया कि इस समय युद्ध के फेक वीडियोज और रील्स की बाढ़ आ गई है। इन्हें एआई द्वारा तैयार किया गया है। इन रील्स और वीडियोज को देखने वालों और फालोअर्स की संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। इस फेक नैरेटिव से लड़ना वाकई मुश्किल काम है। इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी देखा गया था। किस तरह से पश्चिमी मीडिया ने भारत के खिलाफ फेक नैरेटिव तैयार किया था। लिखने वाले पाकिस्तानी और छापने वाले यही न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, टेलीग्राफ, बीबीसी आदि ही थे। लेकिन अब जब अमेरिका, इस्राइल के खिलाफ फेक वीडियोज और रील्स भारी पैमाने पर आने लगे, तो रोने लगे। पश्चिमी मीडिया ऐसा ही दुरंगा है। अपने मालिकों को हर हाल में बचाता है। उनके खिलाफ शायद ही कभी मानव अधिकार हनन का रोना रोया जाता है। इसमें पश्चिमी न्यूज एजेंसीज भी बढ़–चढ़कर भूमिका निभाती हैं। तरह–तरह के गढ़े झूठ को सच की तरह परोसा जाता है।

अपने यहां भी अधिकांश चौनल्स जिस तरह का युद्धोन्माद भड़का रहे हैं, वह काफी निंदनीय और चिंतित करने वाला है। ज्यादा से ज्यादा टीआरपी और उसके बदले विज्ञापनों की बढ़त के कारण हर समय ऐसेदृ ऐसे हैडिंग्स लगाए जा रहे हैं– इस्राइल ईरान क्रुद्ध, अब होगा विश्वयुद्ध। या कि नहीं रुकेगा परमाणु युद्ध। आश्चर्य यह होता है कि यदि परमाणु युद्ध हो जाए, तो क्या वे लोग बचे रहेंगे, जो इस तरह की भविष्यवाणियां रात–दिन करके माल बटोर रहे हैं। आपने ईरान की उस टीवी पत्रकार की हालत तो देखी ही होगी, जो स्टूडियो पर इस्राइली हमले के बाद लाइव प्रसारण छोड़कर भागी।

ईरान के खामनेई अक्सर कहते रहे हैं कि वे इस्राइल का नामोनिशान मिटा देंगे। क्या वाकई ऐसा हो सकता है। अगर ऐसा हो सकता, तो इस तीन साल से अधिक के वक्त में रूस ने यूक्रेन का नामोनिशान मिटा दिया होता। इस्राइल के खिलाफ तो इतने अधिक देश हैं कि वह कब का खत्म हो गया होता। लेकिन इन दिनों न कोई युद्ध जीतता है, न हारता है। दोनों ही पक्षों को नुकसान उठाना पड़ता है। हां तीसरी पार्टियां अगर बीच में आ जाएं, तो यह नुकसान और बढ़ जाता है। जो रील्स और वीडियोज देखे हैं, उनमें ईरान की विजय पर माशा अल्लाह और देख लो इस्राइल की हालत आदि बड़े पैमाने पर हैं।

नहीं करनी नौकरी, ट्रेनिंग शुरू होते ही इस्तीफा लेकर एसपी के पास पहुंचा सिपाही

संवाददाता—देवरिया। यूपी में 15 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गृहमंत्री अमित शाह ने परीक्षा के बाद चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया। पिछले ही हफ्ते इनकी ट्रेनिंग भी शुरू हो गई है। अलग—अलग जिलों में इनकी ट्रेनिंग हो रही है। इस बीच देवरिया में ट्रेनिंग कर रहा एक सिपाही अपने पिता के साथ इस्तीफा देने एसपी कार्यालय पहुंच गया। उसकी बातों को पुलिस अधीक्षक से पहले उनके पीआरओ ने सुना तो अवाक रह गया। उसने सिपाही को समझाया—बुझाया। कहा कि पहली ट्रेनिंग के दौरान शुरुआत में ऐसी दिक्कतें होती हैं। आगे चलकर सब ठीक हो जाएगा। उसकी बातों को सुनकर बिना एसपी से मिले ही सिपाही फिलहाल लौट गया है।

देवरिया के पुलिस लाइन में 17 जून से रिक्रूटों का जेटीसी प्रशिक्षण शुरू हुआ है। इसमें अंबेडकर नगर,

अयोध्या, आजमगढ़, गाजीपुर व सुल्तानपुर जिले के रिक्रूट शामिल हैं। इनमें गाजीपुर जिले का एक रिक्रूट सोमवार की सुबह अपने पिता के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा। उसने एसपी से मुलाकात की बात उनके पीआरओ डा.महेंद्र कुमार से कही। पीआरओ ने मिलने का कारण पूछा। रिक्रूट की बात सुनकर वह अवाक रह गए। रिक्रूट ने बताया कि उसकी नियुक्ति सिपाही के लिए हुई है। लेकिन वह इस्तीफा देने के लिए आया है। उसने कहा कि ट्रेनिंग के लिए भोर में चार बजे ही उठना पड़ता है। इससे बहुत परेशानी हो रही है। उसके पिता ने बताया कि उनका बेटा पढ़ाई में होनहार है। यह हर दिन आठ बजे तक सोकर उठता है और इसके बाद सात से आठ घंटे तक पढ़ाई करता है। वह बीएड व टेट भी पास कर चुका है। उसका सपना अधिकारी या फिर शिक्षक बनने का है। उनका एक बेटा देवरिया जनपद के श्रीरामपुर थाने में ही पोस्ट है। पीआरओ ने पिता—पुत्र को समझाया कि कुछ दिन में सबकुछ सामान्य हो जाएगा। उसे प्रशिक्षण पूरा करना चाहिए। पीआरओ की बातों को समझने के बाद फिलहाल पिता—पुत्र घर लौट गए। इस सम्बंध में सीओ लाइन दीपक शुक्ल का कहना है कि रिक्रूट के इस्तीफा देने जाने की बात की जानकारी नहीं है। पता कराता हूं। प्रक्षिक्षण के शुरुआती दिनों में यह दिक्कत आती है। बाद में सब कुछ सामान्य हो जाता है।

मगरमच्छ और घड़ियालों की ब्रीडिंग के लिए निचलौल क्षेत्र की आबोहवा अनुकूल

संवाददाता—महराजगंज। सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के निचलौल रेंज के जंगल का नारायणी नदी के समीप का गंडक बीट की आबोहवा मगरमच्छ और घड़ियालों की ब्रीडिंग के लिए अनुकूल मानी जा रही है। इसी स्थान पर शनिवार को मगरमच्छों के 33 अंडों में से 18 अंडों से स्वस्थ बच्चे निकले हैं। इन्हें मगरमच्छ प्रजनन केंद्र दर्जीनिया ताल में छोड़ा गया है। इसी स्थान पर पिछले वर्ष घड़ियालों के 34 अंडों में से 33 अंडों से स्वस्थ बच्चे निकले थे, जिन्हें नारायणी नदी में छोड़ा गया था। निचलौल रेंज के गंडक बीट में नारायणी नदी के किनारे इस नदी से निकलकर मगरमच्छ और घड़ियाल अंडों को अप्रैल महीने में छोड़ते हैं।

यह क्षेत्र इनके अंडों के लिए सेफ जोन माना जा रहा है। इस बार अप्रैल में मगरमच्छों ने 33 अंडों को नदी के पानी से 18 मीटर दूर गड्ढे बनाकर छोड़ा था। इनके अंडों से अधिकतम 75 दिनों में बच्चे पूर्ण रूप से तैयार होते हैं। इनकी निगरानी वन विभाग और वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अरशद हुसैन और रवींद्र तिवारी द्वारा की जाती रही है। घड़ियाल बालू में और मगरमच्छ मिट्टी वाले स्थान पर बनाते हैं गड्ढे वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अरशद हुसैन बताते हैं कि नदी में निवास करने वाले घड़ियाल अपने अंडों को सुरक्षित रखने के लिए बालू में गड्ढा बनाकर अंडों को रखते

हैं। इन्हें जब अंडा देने का समय आता है तो उसी समय कई स्थान पर गड्ढा बनाकर छोड़ते हैं। अंडा देते समय जो गड्ढा इन्हें सही लगता है उसी में छोड़ते हैं। वहीं मगरमच्छ अपने अंडों के लिए अच्छी मिट्टी वाले जगह की तलाश करते हैं। सियार से अंडे को बचाना होता है चुनौती जंगल से सटे क्षेत्र में मगरमच्छ और घड़ियाल के अंडे को सियार से बचाना चुनौती होता है। इनके अंडों के गड्ढों की निगरानी करने वाले लोगों को जब यह लगता है कि सियार अंडों को कोड़कर शिकार करेगा तो ये लोग गड्ढों में लोहे की जाली अंडों के ऊपर लगा देते हैं। निगरानी करने वाले लोग अंडों से बच्चे तैयार होने के समय की जानकारी इनके गड्ढों के ऊपर थपथपा कर आवाज सुनकर लगाते हैं। निचलौल रेंज के गंडक बीट में नारायणी नदी के किनारे मगरमच्छ और घड़ियाल अंडे छोड़ रहे हैं। यहां की आबोहवा इनके लिए अनुकूल है। इससे इनका कुनबा नदी और दर्जीनिया ताल में बढ़ रहा है। इसे सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के लिए अच्छा माना जा रहा है। वन विभाग की टीम इनके संरक्षण के लिए पूरा प्रयास कर रही है। सुनील राव, रेंजर निचलौल

युवक ने फंदे से लटक कर दी जान

संवाददाता—गोण्डा। थानाक्षेत्र के रंजीतपुर गांव के युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मंगलवार को उसका शव घर से 500 मीटर दूरी पर स्थित एक पेड़ में लटका मिला। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजापुर के मजरा रंजीत पुरवा के रहने वाले अनंतराम ने बताया कि उनका बेटा तिलकराम जायसवाल (20) वर्ष सोमवार की

शाम को अचानक लापता हो गया है। काफी खोजबीन की गई लेकिन पता नहीं चल पाया। मंगलवार को उसका शव घर से करीब पांच सौ मीटर दूर स्थित एक तालाब के पास लगे चिलबिल के पेड़ से लटकता मिला है।

वित्तविहीन प्रबंधकों के अधिवेशन में छाये रहे दुश्वारियों के मुद्दे

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा कस्बे के एक मैरेज हाल में उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक संघ का वार्षिक अधिवेशन एवं 14वां स्थापना दिवस समारोह हुआ। कार्यक्रम में संगठन से जुड़े प्रदेश के पदाधिकारियो ने शामिल होकर विद्यालय संचालन में आ रही कई तरह की दुश्वारियों को संगठन के समक्ष रखा। प्रदेश अध्यक्ष महेश राव ने कहा कि प्रदेश भर में संचालित वित्तविहीन व प्राइवेट विद्यालय नौनिहालों को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। जबकि विद्यालय के संचालन में प्रशासनिक, आर्थिक एवं तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। प्रदेश सरकार से वित्तविहीन व प्राइवेट विद्यालयों के संचालन को सरल करने की मांग लगातार की जा रही है।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया एवं विशिष्ट अतिथि नपा अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि नौनिहालों के उज्जवल भविष्य को लेकर लगातार सरकार काम कर रही है। बच्चों के भविष्य संवारने के लिए सरकार बेहतर शिक्षा मुहैया कराने पर पूरा जोर दे रही है। संगठन ने कार्यक्रम के दौरान विधायक ऋषि त्रिपाठी की गैर मौजूदगी में उनके प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख राकेश मद्धेशिया को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंप कर प्रदेश सरकार से समस्याओं के समाधान की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनार्दन प्रसाद मिश्र ने की, जबकि संचालन शिरीष पांडेय ने किया। इस दौरान मनीष

श्रीवास्तव, पुनीत मिश्रा, सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी , दिनेश पांडेय, अवनीश कुमार मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, संजय यादव, शैलेंद्र शर्मा, राजकुमार जायसवाल, राकेश शर्मा, पवन , श्रीनाथ धर, राजकुमार जायसवाल, मनीष श्रीवास्तव, अभिलाष व शाहिद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सरयू विद्यापीठ में हुई काव्य धारा संगोष्ठी

संवाददाता—देवरिया। ।नगर स्थित सरजू विद्यापीठ में सोमवार को काव्य धारा संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि कवि रामेश्वर प्रसाद यादव और कार्यक्रम अध्यक्ष रहे कवि रमेश तिवारी अनजान ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। काव्य पाठ करते हुए कवि प्रेम शंकर तिवारी ने अपनी कविताओं पर वाहवाही लूटी। मुख्य अतिथि रामेश्वर प्रसाद यादव ने हिंदी साहित्य पर चिंतन करते हुए कहा लोग जैसे—जैसे साहित्य से दूर होते जा रहे हैं उनमें भावना की कमी होती जा रही है। मनुष्य को इंसानियत से जुड़ना है तो साहित्य से उसे जुड़ना होगा। इस संदर्भ में उन्होंने अपनी एक भोजपुरी कविता भी सुनाई।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कवि रमेश तिवारी अंजान जी ने भी कविता का पाठ किया । कार्यक्रम का संचालन अंजनी कुमार उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में डॉ रजनीश दीक्षित, फैजान अंसारी, जीशान, विनोद तिवारी, राकेश श्रीवास्तव, सुनील सिंह, कृष्ण बिहारी, जीतेन्द्र कन्नौजिया, कुंज बिहारी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वाटर पार्क में किशोर की मौत पर मुआवजे व जांच की मांग

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा कस्बे के महेंद्र नगर निवासी 17 वर्षीय किशोर शाहिद अंसारी की नेपाल के भैरहवा वाटर पार्क में नहाते समय मौत हो जाने के मामले में पूर्व अध्यक्ष गुड्डू खान ने नेपाल के भैरहवा मेयर इश्तियाक अहमद को पत्र सौंप कर मामले में जांच कार्रवाई की मांग की है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित वाटर पार्कों के मानकों की जांच कर भारतीय पर्यटकों के सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग की गई है। मेयर ने मामले में तत्काल जांच कर कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पूर्व अध्यक्ष गुड्डू खान ने कहा कि नेपाल के वॉटर पार्क कि लापरवाही की वजह से किशोर शाहिद अंसारी की दर्दनाक मौत हुई है।

जो भारतीय नागरिकों के लिए काफी दुखद है। वाटर पार्क के व्यवस्था की जांच होनी चाहिए और उसे तत्काल बंद करते हुए अन्य वाटर पार्कों को भी मानक पूर्ण संचालन करने के कड़े निर्देश जारी होनी चाहिए। साथ ही मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा नेपाल सरकार द्वारा दिया जाए। उन्होंने मेयर से मांग किया कि भैरहवा क्षेत्र के सभी वाटर पार्क में योग्य लाइफगार्ड्स, आपातकालीन उपकरणों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनिवार्य व्यवस्था लागू किया जाए। गुड्डू खान ने कहा कि शाहिद की मौत ने भारतीय पर्यटकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े किये हैं। इसमें नेपाल प्रशासन द्वारा जांच कर मानकों की अनदेखी करने वाले वाटर पार्क संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है।

36 घंटे बाद राजाबाबू का शव बरामद

संवाददाता—गोण्डा। उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र में सोनौली मोहम्मदपुर गांव से बीते रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई थी। जहां आज सोनौली मोहम्मदपुर गांव के 13 वर्षीय राजा बाबू उर्फ नाना यादव का शव 36 घंटे की खोज के बाद घाघरा नदी से बरामद किया गया है। रविवार सुबह 11 बजे राजा बाबू अपने घर से 200 मीटर दूर घाघरा नदी में भैंस को नहला रहा था। इसी दौरान एक जानवर ने उसे पकड़कर नदी में खींच लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मगरमच्छ था, जबकि जिला प्रशासन ने इसे घड़ियाल बताया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कौन सा जानवर था। एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बरामद किया गया। है। जानवर ने मृतक के एक पैर का हिस्सा और शरीर के कुछ अन्य हिस्सों को खा लिया था शव को देखकर परिजनों की हालत बेहद खराब है। उमरीबेगमगंज थाने की पुलिस ने पंचायतनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने घाघरा नदी के किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं। लोगों को नदी में न जाने की हिदायत दी गई है। थाना अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप राय के अनुसार मामले की जांच जारी है।

सोनू बना सोनिया, सात फेरे लिए लाल जोड़े में मंदिर पहुंचा

संवाददाता—कुशीनगर। कुशीनगर में एक लड़के ने दूसरे लड़के से शादी कर ली। दोनों करीब डेढ़ साल से रिलेशन में थे। शादी के दौरान एक लड़के ने साड़ी पहनी। साड़ी के ऊपर चुनरी ओढ़ी। लड़कियों की तरह मेकअप किया। हाथ में चूड़ी पहनी, बिंदी लगाई और काजल लगाया। उसके बाद मंदिर में घुटने के बल बैठकर अपने प्रेमी से मांग में सिंदूर भरवाया। ये मामला कुशीनगर के नौरंगिया थाना क्षेत्र के शीतलापुर गांव का है। दूल्हे ने कहा, लोग क्या कहेंगे, इसका डर नहीं। मुझे सिर्फ उसका साथ चाहिए। क्योंकि प्यार शरीर से नहीं, आत्मा से होता है। दोनों के इस फैसले पर गांव के लोगों को गहरी आपत्ति है। विरोध को देखते हुए दोनों गांव से फरार हो गए हैं।

महराजगंज का रहने वाला सोनू (30) डेढ़ साल पहले कुशीनगर रहने आया था। यहां वो प्रेम (31) के साथ रहता था। दोनों के बीच अफेयर हो गया। दोनों ने एक महीने पहले शादी कर ली। शादी के बाद सोनू ने अपना नाम सोनिया रख लिया है। वो कहता है, प्रेम मेरे पति हैं।

शादी के बाद सोनू अपनी मांग में सिंदूर लगाकर कमरे से बाहर निकलता। वो अपना नाम भी सबको सोनिया बताता। पूछने पर उसने बताया कि मैंने और प्रेम ने शादी कर ली है। प्रेम मेरे पति हैं। इसके बाद लोगों ने दोनों का विरोध करना शुरू कर दिया। दोनों से कमरा खाली करने के लिए बोला गया। हालांकि अभी दोनों अपने कमरे से गायब हैं। लोगों का कहना है, वो दोनों हनीमून पर नेपाल गए हैं।

स्थानीय बताते हैं, सोनू ने जेंडर चेंज कराकर अपना नाम सोनिया रख लिया था। उसे अब अपनी पहचान और प्यार दोनों मिल गए हैं। वह अब खुद को पूरा महसूस करती है। वहीं प्रेम कहता था, प्यार शरीर से नहीं, आत्मा से होता है। लोगों की राय से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम और सोनू की शादी का वीडियो मंगलवार को सामने आया है। जिसके बाद मामला सुर्खियों में आया। दोनों की शादी के बाद दोनों के परिवारों ने उनसे अपना रिश्ता तोड़ लिया है।

देश में समलैंगिकता को लेकर कानूनी और सामाजिक दृष्टिकोण समय के साथ बदल रहा है। 2018 में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 377 को रद्द कर दिया, जिससे दो बालिग के बीच सहमति से बने समलैंगिक संबंधा अपराध नहीं रहे। हालांकि, समलैंगिक विवाह को अभी तक कानूनी मान्यता नहीं मिली है, और इस मुद्दे पर बहस जारी है।

पत्नी ने पति की जान बचाने को दी अपनी किडनी

संवाददाता—कुशीनगर। देशभर में जहां पति—पत्नी के रिश्ते अकसर विवादों और हत्याओं की खबरों में रहते हैं, वहीं कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के पकड़ियार गांव से त्याग, प्रेम और बलिदान की एक मिसाल सामने आई है। यहां एक पत्नी ने अपने पति को नई जिंदगी देने के लिए अपनी किडनी दान कर दी।

अनिता देवी ने अपने पति गणेश गुप्ता को उस वक्त अपनी किडनी दी, जब उनकी दोनों किडनियां खराब हो चुकी थीं और हफ्ते में तीन बार डायलिसिस के लिए करीब 30 हजार रुपए का खर्च उठाना असंभव हो गया था। इलाज में पूरा खेत बिक गया। आज हालत यह है कि परिवार में कमाने वाला कोई नहीं, और 60 वर्षीय पिता और 55 वर्षीय मां मजदूरी करके छह लोगों का पेट पाल रहे हैं। पकड़ियार बाजार के निवासी 37 वर्षीय गणेश गुप्ता गुजरात के जामनगर में बेकर्स की नौकरी करते थे। साल 2009 में उनकी शादी अनिता से हुई। परिवार में 12 साल का बेटा संगम और 7 साल की बेटी रचना है। दो भाई पहले ही अलग हो चुके हैं।

एक साल पहले गणेश को हाई

बीपी और अन्य समस्याएं होने लगीं। जांच में सामने आया कि दोनों किडनियां फेल हो चुकी हैं। डॉक्टरों ने तत्काल डायलिसिस की सलाह दी। आठ महीने तक डायलिसिस चलता रहा, लेकिन खर्च 1.2 लाख रुपए प्रतिमाह तक पहुंच गया।

डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी, लेकिन परिवार के सामने दो बड़ी समस्याएं थींकृडोनर की तलाश और लाखों का खर्च। पहले मां रमावती देवी ने अपनी किडनी देने की इच्छा जताई, लेकिन जांच में वह अनुपयुक्त निकलीं। इसके बाद पत्नी अनिता सामने आईं, और जब उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव निकली तो परिवार को नई उम्मीद मिली।

लखनऊ के एक निजी अस्पताल में ट्रांसप्लांट की व्यवस्था बनी। मुख्यमंत्री राहत कोष से 6 लाख 50 हजार रुपए की सहायता मिली। ऑपरेशन सफल रहा और अब दोनोंकृ गणेश और अनिताकृघर लौट चुके हैं। डॉक्टरों ने दोनों को फिलहाल पूरी तरह आराम की सलाह दी है।

अब परिवार की पूरी जिम्मेदारी 60 साल के पिता और 55 साल की मां के कंधों पर है। दोनों मजदूरी कर जैसे—तैसे घर चला रहे हैं। वहीं बच्चों की पढ़ाई, इलाज के आगे के खर्च और कर्ज की अदायगी को लेकर परिवार चिंतित है। गणेश की मां कहती हैं,ष्खेत बिक गया, काम नहीं बचा, लेकिन हमारा बेटा बच गया। इससे बड़ी बात क्या होगी?ष गांव के लोग भी अनिता के इस फैसले को ष्धरती पर देवी का रूपष बता रहे हैं।

लेंस लेकर सड़क खोजते दिखे छात्र

संवाददाता—गोण्डा। मेहनौन विधानसभा क्षेत्र में इटियाथोक—बाबागंज रोड पिछले 11 सालों से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क की जगह अब सिर्फ गड्ढे, कीचड़ और गंदा पानी दिखाई दे रहा है। आज राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं ने मोहनपुर असिधा गांव के पास आवर्धक लेंस लेकर सड़क को खोजने का अनोखा प्रयास किया है। इस अभियान में छोटे—छोटे बच्चे भी शामिल थे लेकिन उन्हें घंटे तक खोजने के बावजूद 11 वर्षों से गायब 20 किलोमीटर सड़क का कोई निशान नहीं मिला।

राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने बताया—लगभग 20 किलोमीटर लंबी यह सड़क पूरी तरह से गायब हो गई है। उन्होंने घोषणा की है कि अगर कोई आम व्यक्ति इस सड़क का पता लगा ले तो छात्र पंचायत उसे 1100 रुपये का इनाम देगी। बरसात के बाद स्थिति और भी खराब हो गई है। सड़क पर जगह—जगह बने गड्ढों में कीचड़ और गंदा पानी भर गया है।

यह सड़क अब तालाब में तब्दील हो चुकी है।

स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्र पंचायत ने सड़क की दुर्दशा के विरोध में प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री से सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की है। शिवम पांडेय ने कहा की यह काफी व्यस्त सड़क है और रोज हजारों लोगो का आना जाना रहता है। इधर से अनेक विद्यालयों व कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों सहित स्कूल के वाहनो का आना—जाना रहता है। क्षेत्र के तमाम दूकानदार व आम जनमानस भी हर दिन इस टूटी फूटी सड़क का उपयोग करते है। पूरी तरह से क्षतिग्रस्त रोड की वजह से वाहनों को भारी नुकसान हो रहा है और बाइक व साइकिल सवार राहगीर अक्सर गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। यह सड़क पिछले कई वर्षों से खराब है और इसका टेंडर भी कई बार निकला व रद्द हो चूका है। हम सबकी सूबे के मुख्यमंत्री से जनहित मे मांग है की इस रोड को जल्द से जल्द बनवाया जाए। उन्होंने कहा की अगर हमारी यह मांग नहीं मानी गई तो हम लोग दिन प्रतिदिन इस रोड पर विभिन्न कार्यक्रम करते रहेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी गोंडा जिला प्रशासन की होगी।

रामपुर बल्डीहा में इंटरलाकिंग सड़क की जांच

संवाददाता—महराजगंज। घुघली के ग्राम सभा रामपुर बल्डीहा में मनरेगा, राज्यवित व पन्द्रहवां वित द्वारा कराए गए इंटरलॉकिंग सड़क की जांच ब्लॉक स्तरीय जांच टीम ने की। शिकायत हुई थी कि निर्माण कार्य में नीचे बगैर गिट्टी के इंटरलॉकिंग का कार्य किया गया है। जांच टीम द्वारा इटरलॉकिंग ईंट को उखाड़ कर नीचे जांच की गई। बीडीओ अमरनाथ पांडेय द्वारा गठित ब्लॉक स्तरीय टीम ने जांच की। बीडीओ ने जांच के लिए चार अधिकारियों को नामित किया है। टीम में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा अजीत पांडेय, सहायक विकास अधिकारी पीपी केदारनाथ दुबे, अवर अभियंता लघु सिंचाई औरंगजेब खान, सहायक विकास अधिकारी कृषि वशिष्ठ कुशवाहा नामित थे।

सहायक विकास अधिकारी रामपुर बल्डीहा में मनरेगा व राज्य वित्त द्वारा कराए गए इंटरलॉकिंग सड़क की जांच की गई। इंटरलॉकिंग ईट को उखाड़ कर नीचे देखा गया। इंटरलॉकिंग सड़क में ओबीबी मानक के अनुरूप पाया गया।

डीएम का निर्देश- अफसर सिखाएंगे खेती करन

संवाददाता—कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को डीएम की अध्यक्षता में इंटीग्रेटेड फार्मिंग एवं आधुनिक फार्मिंग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें डीएम ने जिले में उपलब्ध उर्वरक का पूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में आधुनिक खेती और यंत्रीकरण की सहायता से आय में बढ़ोतरी करने वाली खेती के लिए अभी तक किसी भी प्रकार की तैयारी या कार्यवाही नहीं करने पर डीएम ने जिला कृषि अधिकारी को शो काल नोटिस देने के लिए सीडीओ को निर्देश दिए।

बैठक के दौरान डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने पीएम किसान के लाभार्थियों का ई—केवाईसी स्टेटस, आधार प्रमाणीकरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम के लिए किसानों की संख्या, सीएम डैशबोर्ड, आइजीआरएस, कृषि रक्षा रसायन उर्वरक, खाद आदि की उपलब्धता, पीएम कुसुम योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या, किसान क्रेडिट कार्ड के तहत नए प्राप्त लक्ष्य तथा कृषि यंत्रीकरण के बारे में जानकारी ली।डीएम ने कहा कि किसानों के लिए ब्लॉकवार मॉडल फॉर्म्स बनाएं। उन्हें इसी आधार पर खेती करने के लिए जागरूक करें। किसानों को केवल बैठकों में आधुनिक खेती के बारे में बताए ही नहीं वल्कि किसानों को बेहतर कृषि करके स्वयं उन्हें दिखाए।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि साखोपार में एक एकड़ भूमि में पारंपरिक खेती के स्थान पर एकीकृत समाकलित खेती कराकर कम भूमि से अधिक आय प्राप्त कर किसानों को जागरूक करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि किसी किसान की भूमि कम है, फिर भी वह ट्रेडीशनल फार्मिंग के स्थान पर इंटीग्रेटेड फार्मिंग करके अधिक से अधिक मुनाफा कमा सकता है। बैठक में आधुनिक खेती और यंत्रीकरण की सहायता से आय में बढ़ोतरी करने वाली खेती के लिए अभी तक किसी भी प्रकार की तैयारी या कार्यवाही नहीं करने पर डीएम ने

जिला कृषि अधिकारी को शो काल नोटिस देने के लिए सीडीओ को निर्देश दिए। इस दौरान सीडीओ गुंजन द्विवेदी, जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर मेनका आदि मौजूद रहीं।

प्रतिभागियों को मिला प्रशस्ति पत्र

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी एवं मलबरी कान्वेंट स्कूल सिसवा के तत्वावधान में अभिनय कार्यशाला प्रशिक्षण हुआ था। अकादमी के सदस्य अमित अंजन द्वारा ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से भजन गायक उमाशंकर जायसवाल व अमित अंजन ने कराया था। प्रशिक्षक उमाशंकर जायसवाल ने बताया कि प्रतिभागी बच्चों ने पूरी निष्ठा और कड़ी मेहनत से अभिनय के गुण को सीखा। अमित अंजन ने बताया कि उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा पूरे प्रदेश के हर जिले में कार्यशालाएं आयोजित कराई गईं, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश को संस्कृति और संस्कारों से एक धागे में पिरोना है। इसी क्रम में महराजगंज के सिसवा बाजार में आयोजित भजन कार्यशाला में देवेंद्र, चंद्रशेखर, पंकज सोनी, अंजली चौहान, अंशिका सिंह, सोनी कुशवाहा, श्रीकृष्ण आदि प्रशिक्षु में प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

गरजा बाबा का बुलडोजर, 12 मदरसे ध्वस्त, 25 अभी बाकी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यूपी में ताबड़तोड़ बुलडोजर एक्शन चल रहा है। कभी श्रावस्ती तो कभी किसी अन्य जिलों में स्थित अवैध मदरसे बुलडोजर की मदद से गिराए जा रहे हैं। सिद्धार्थनगर में नेपाल सीमा से सटे 15 किलोमीटर के दायरे में बने अवैध 37 मदरसों पर भी योगी का बुलडोजर गरजा। जिसमें से एक दर्जन जमींदोज भी हो गए।

जिले में अवैध रूप से चल रहे मदरसों पर योगी सरकार लगातार कार्यवाही कर रही है।इस संबंध में जिलाधिकारी राजा गणपति ने बताया कि नेपाल सीमा पर बने मदरसों में 37 को चिह्नित किया गया है जबकि एक दर्जन मदरसों को गिराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि शेष को नोटिस दिया गया है। समय पर जवाब नहीं मिलने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी।

इससे पहले श्रावस्ती जिले में रविवार को प्रशासन की टीम ने सरकारी जमीन पर बने अवैध मदरसे को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस तैनात रही। जमुननहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में खाद गड्ढे की भूमि के रूप में दर्ज है। इस जमीन पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण करा लिया गया और उस पर जामिया रिजविया शमशुल उलूम के नाम से मदरसा का संचालन किया जा रहा था। अभियान के तहत मदरसे की जांच की गई थी तो मदरसा खाद गड्ढे की भूमि पर बना पाया गया जिसकी लिखापढ़ी कर उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई थी।एक हफ्ते पहले 18 जून को भी सरकारी जमीन पर कथित रूप से अतिक्रमण कर बनाए गए तीन मदरसों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी थी। आधिकारिक बयान के मुताबिक अनधिकृत धार्मिक संस्थाओं के खिलाफ जारी कार्रवाई के तहत फतेहपुर बंगाई गांव में सरकारी जमीन पर स्थित दो मदरसे हटा दिये गए। रामपुर बस्ती में अवैध रूप से बनाए गए मदरसा गौसिया ताजुल उलूम के प्रबंधन ने स्वेच्छा से अपने ढांचे को ध्वस्त कर दिया। इसी तरह रामपुर बस्ती के ही नगई गांव में मदरसा गौसिया फैजाने रजा शमशुल ने भी स्वेच्छा से सरकारी जमीन से अपना अवैध निर्माण हटा लिया।

चिन्हित लोकेशन पर लगेंगे एएनपीआर कैमरे, वारदात सुलझाने में मिलेगी मदद

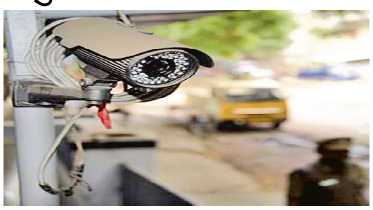

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद शहर हीं नहीं, अपितु जिला सेफ जोन में होगा। चिन्हित लोकेशनों पर एएनपीआर कैमरे लगाएं जाएंगे। इससे वारदात सुलझाने में जहां पुलिस को मदद मिलेगी, वहीं यातायात प्रबंधन, पार्किंग प्रवर्तन और सुरक्षा निगरानी व्यवस्था कारगार होगी। इस दिशा में डीएम और एसपी ने पहल कर दी है। पहले चरण में खलीलाबाद शहर में एएनपीआर कैमरे लगाएं जाने की योजना है। अक्तूबर 2023 में खलीलाबाद को सेफ सिटी बनाने की दिशा में कवायद शुरु की गई थी। इसमें शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के साथ ही मेंहदावल बाईपास, मधुकुंज तिराहा, बरदहिया बाजार, गोला बाजार और विधियानी मोड़ चौराहे का सुंदरीकरण कराने की योजना बनी।

इसके लिए फुटपॉथ, पथ प्रकाश व्यवस्था, ट्रैफिक लाइट, सीसीटीवी कैमरे आदि लगाए जाने की कार्ययोजना तैयार हुई थी। पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मेंहदावल बाईपास चौराहे का चयन हुआ था। डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप कुमार मीना ने जनपद मुख्यालय खलीलाबाद को सेफ सिटी बनाने की कार्य योजना तैयार की है। इसी क्रम में शहर के चिन्हित प्वाइंटों पर आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकागनाइजेशन (एएनपीआर) कैमरे लगाएं जाएंगे। प्रत्येक कैमरे की कीमत 50 से 70 हजार रुपये के बीच होगी। इन कैमरों को कलक्ट्रेट में क्रियाशील इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल रूम से जोड़ दिया जाएगा। इससे वाहन चोरी की घटना के साथ ही अन्य वारदात सुलझाना पुलिस के लिए आसान होगा। करीब 63 लोकेशनों पर आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकागनाइजेशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए जाने की योजना है। इससे पुलिस को वाहन चोर पकड़ने में आसानी होगी। सड़क पर सरपट दौड़ रही ओवरस्पीड वाहनों की जानकारी जुटाना भी पुलिस के लिए आसान होगा। एएनपीआर कैमरे से यातायात पुलिस को भी आसानी होगी। सड़क पर सरपट दौड़ रहे ओवरस्पीड वाहनों का आसानी से चालान किया जा सकेगा। बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के साथ ओवरस्पीड वाहनों के नंबर प्लेट को कैमरे द्वारा स्कैन कर लिया जाएगा। दुर्घटना, रोडरेज की घटना, जुलूस, ट्रैफिक प्रबंधन आदि में एएनपीआर कैमरे पुलिस के मददगार होंगे। डीएम आलोक कुमार ने कहा कि खलीलाबाद शहर को सेफ सिटी बनाने की योजना है। पॉयलट प्रोजक्ट के रूप में पहले चयनित मेंहदावल बाईपास पर काम हुआ है। दो जगह ट्रैक्सी स्टैंड और वेडिंग जोन भी बनाया जाना प्रस्तावित है। सड़कों का चौडीकरण भी होगा। शहर को सुरक्षित करने के लिए एएनपीआर कैमरे लगाएं जाएंगे। जिन्हें कलक्ट्रेट के कंट्रोल कमांड रूम से जोड़वा दिया जाएगा। एसपी संदीप कुमार मीना ने कहा कि खलीलाबाद शहर को सेफ सिटी बनाने के पीछे मंशा है कि रात में भी महिलाएं और युवतियां निडर होकर आ–जा सकें। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के साथ क्राइम कंट्रोल में मदद मिलेगी। इसी मकसद से शहर के मुख्य चौराहों, भीड़भाड़ वाली जगहों और दुर्घटना बहुल स्थानों पर एएनपीआर कैमरे लगवाएं जाएंगे। इसके लिए डीएम ने सहमति दी है। मगहर और कांटे जैसे महत्वपूर्ण जगहों को इसमें शामिल किया गया है। इससे ट्रैफिक प्रबंधन के साथ जिले की क्राइम कंट्रोल में मदद मिलेगी।

एम्स का रंग होगा लाल, भव्य स्वागत की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। तैयारियों को लेकर अलग–अलग समितियां लगातार काम कर रही हैं। बरसात के मौसम को देखते हुए समारोह स्थल पर जर्मन हैंगर पंडाल लगाने का निर्णय लिया गया है। अगले दो–तीन दिनों में पंडाल सजना शुरू हो सकता है। उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों होना है।

आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया था। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया था कि 22 जून तक कार्य पूर्ण किए जाएं। लेकिन अभी भी कई कार्य अधूरे हैं। बारिश के कारण सड़क निर्माण व मिट्टी भराई के कार्यों की रफ्तार धीमी हो गई है। परिसर में कई जगहों पर गड्ढे बने हुए हैं। इनके लिए बाहर से मिट्टी लाई जानी थी लेकिन अब बारिश के कारण मिट्टी नहीं मिल पा रही है। इसे बड़ी लापरवाही के रूप में देखा जा रहा है। बाहर से मिट्टी न मिलने के कारण आस–पास की मिट्टी से गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है। परिसर में अभी भी पंचकर्म कुटिया और ऑडिटोरियम की ओर जाने वाली सड़कों का काम पूरा नहीं हो सका है।परिसर में एक स्थायी हैलीपैड पहले से है। दो और अस्थायी हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। यह काम भी पूरा होने के करीब है। एडमिन ब्लॉक में अधूरे कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। लेक्चर हॉल में मैन पावर बढ़ाकर फर्श पर टाइल्स पेंटिंग, सफाई आदि के कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। चिकित्सा कक्ष में पेंट का कार्य, मरीजो के लिए बेड आदि की व्यवस्था की जा रही है।

जर्मन हैंगर पंडाल विशेष आयोजनों के लिए आदर्श होते हैं। ये जलरोधक और अग्निरोधक सामग्री से निर्मित होते हैं। ये बारिश, गर्मी या सर्दी जैसे मौसमी बदलावों में सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसलिए वहां का वातावरण आरामदायक होता है। इसे कम समय में स्थापित किया जा सकता है।

भटहट से बांस स्थान तक लगभग 12 किलोमीटर फोरलेन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसी रोड पर भटहट से आयुष विश्वविद्यालय की दूरी लगभग दो किलोमीटर है। भटहट से सटे बड़हरिया गांव के सामने पुलिया का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने के लिए लगभग दो सौ मजदूर, आधा दर्जन जेसीबी, पोकलैंड लगाए गए हैं। सड़क के बीच में डिवाइडर बनाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। डिवाइडर पर बीच में फूल लगाए जाएंगे। एम्स के प्रशासनिक भवन और अन्य स्थानों पर अब श्एम्सश् का नाम अब लाल रंग से लिखा जा रहा है। पहले यह गोल्डन रंग में था, लेकिन 30 जून को होने जा रहे पहले दीक्षांत समारोह और उसमें शामिल होने आ रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत की तैयारियों के दौरान यह बदलाव किया गया है।राष्ट्रपति के आगमन को लेकर संस्थान में तैयारियों का दौर तेज है। परिसर की झाड़ियों की सफाई, पौधों की छंटाई–सजावट, सड़कों और स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत जैसे कार्य तेजी से चल रहे हैं। गेट नंबर दो के बाहर गमले रखने के लिए विशेष स्टेप बनाए गए हैं, ताकि प्रवेश मार्ग आकर्षक दिखे।

धैर्य समर्पण भक्ति का प्रतीक है –महंत एकनाथ महाराज

–संवाददाता भारतीय बस्ती–अयोध्या। ओजस्वी भारत फाउंडेशन के अध्यक्ष राजर्षि महंत एकनाथ महाराज ने कहा है कि जिस प्रकार गाय को धार्मिक रूप से माता का स्थान प्राप्त है, उसी प्रकार नंदी को भी पिता और धर्म का प्रतीक मानकर संरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमने गौ माता को मां के रूप में तो स्वीकार किया है, लेकिन नंदी की भूमिका, जो पिता तुल्य है, उसे अब तक समाज ने पूरी तरह से नहीं समझा है।" उन्होंने आगे कहा कि नंदी केवल भगवान शिव का वाहन नहीं, बल्कि स्वयं 'धर्मदेव' हैं,धैर्य, समर्पण और भक्ति के प्रतीक।महंत एकनाथ महाराज ने कहा कि देशभर में गौशालाएं तो बनी हैं, लेकिन नंदीशालाओं पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इस दिशा में ओजस्वी भारत फाउंडेशन पहल कर रहा है और नंदी संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने अपील की कि यदि किसी के पास नंदी हैं और वे देखभाल में असमर्थ हैं, तो वे उन्हें संस्था को सौंप सकते हैं, जहाँ उनकी संपूर्ण देख रेख की जाएगी।

उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा नंदी की मूर्ति के तीन पैर मुड़े होते हैं और एक सीधा होता है, जो यह दर्शाता है कि कलियुग में धर्म का केवल एक स्तंभ बचा है। जिस दिन चौथा पैर भी मुड़ जाएगा, वह धर्म के अंत का संकेत होगा। महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि संसद भवन में स्थापित श्सेंगोलश के शीर्ष पर नंदी को स्थान देकर प्रधानमंत्री ने नंदी के महत्व को दर्शाया है। ऐसे में यह आवश्यक है कि देशभर में नंदी शालाओं को मान्यता, संरक्षण और सरकारी सहायता दी जाए।उन्होंने "धर्मो रक्षति रक्षितः, निसर्ग रक्षति रक्षितः" का उल्लेख करते हुए समाज के प्रति धार्मिक और प्राकृतिक जिम्मेदारियों को निभाने का भी आह्वान किया।उनके संस्थान से जुड़े पदाधिकारी संदीप सरवार, अध्यक्ष,सुरेश कुमार सिंह अध्यक्ष राजस्थान,मधुकर राहाणे राष्ट्रीय महासचिव,विकास हासे उपाध्यक्ष अहिल्या नगर महाराष्ट्र,महेश पावसे अध्यक्ष संगमनेर तालुका,प्रमीला बांगर, महिला मोर्चा अध्यक्ष महाराष्ट्र,उत्तम जाधव अध्यक्ष अहिल्या नगर सहित अन्य लोगों को नदी संरक्षण को विस्तार देने को कहा।

स्वदेशी वस्तु अपनाने की अपील

–संवाददाता भारतीय बस्ती–अयोध्या। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में अपने विचार को व्यक्त करते हुए संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज ने कहा कि अपने देश में बनी हुई वस्तुओं का उपयोग करने से देश आगे बढ़ता है, राष्ट्र की भावना जागृत होती है ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे देश के लोगों के द्वारा बनाई गई वस्तुओं का उपभोग करने से उनका मनोबल बढ़ता है और सौ प्रतिशत आए हमारे देश में ही रहती है, वर्तमान समय में वैश्विक परिस्थितियों हैं जिन परिस्थितियों के कारण एक देश से दूसरे देश के समझौते होते हैं जिसको सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबंध नहीं लगा सकती लेकिन हम नागरिक किसी भी देश के समान का बहिष्कार करके उसे देश को घुटने पर ला सकते हैं क्योंकि वर्तमान समय में भारत पूरे विश्व का सबसे बड़ा बाजार है और हमें अपनी इसी शक्तियों को पहचान करके अपने देश में बने हुए सामानों का उपयोग करना चाहिए जिससे हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का भला होगा रोजगार बढ़ेगा देश आगे बढ़ेगा और हम विश्व गुरु के रूप में पूरे विश्व में स्थापित होंगे यह हमारा सबसे बड़ा कदम होगा सभी से अपील है कि अपने देश में बने हुए उत्पादन का प्रयोग करें और सरकार से अपील है कि वह स्किल डेवलपमेंट करके हमारे युवाओं को छोटे–छोटे रोजगार में प्रवीण करें जिससे हम कम लागत में सामान को बनाकर के उपयोग करें और पूरे विश्व में निर्यात भी करें। पर बड़ा भक्तमाल पीठाधीश्वर श्रीमहंत अवधेश कुमार दास महाराज ने कहा की भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है छोटे–छोटे रोजगार का बंद हो जाना अगर हम अपने आवश्यकता की वस्तु अपने देश में बनाने लगेंगे और देशवासी उसका प्रयोग करने लगेंगे तो निश्चित रूप से हम देश को मजबूत करेंगे हमारे युवा बेरोजगार नहीं रहेंगे और कोई भी देश हमें धमकी नहीं दे सकेगा इसलिए हम सबका कर्तव्य की हमें स्वदेशी सामानों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।इस अवसर बावन मंदिर पीठाधीश्वर श्रीमहंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज, वरिष्ठ पुजारी हनुमानगढ़ी हेमंत दास महाराज, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक श्रीमान कश्मीरी लाल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री विक्रमा प्रसाद पांडेय सहित हजारों की संख्या में वरिष्ठ जन एवं बौद्धिक गण उपस्थित रहे।

खेत में पानी भरने गए किसान की धारदार हथियार से हत्या

संवाददाता–अयोध्या। यूपी के अयोध्या में धान की रोपाई से पहले खेत में पानी भरने गए युवा किसान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। इकलौटे बेटे की हत्या की खबर मिली को घर में चीख पुकार मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पलिया गांव की है। गांव निवासी किसान नागेंद्र यादव की हत्या हुई है। वह धान की रोपाई के लिए रात में ट्यूबवेल से खेत में पानी भरने गया था। रात में खेत में ही रखी चारपाई पर सो गया। सुबह चारपाई पर रक्तरंजित अवस्था में उसका शव मिला।

बताया गया कि नागेंद्र जिला जज के रिटायर ड्राइवर राम प्रकाश यादव का इकलौता बेटा था। वह खेती करता था। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि पिता राम प्रकाश यादव की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। खुलासे के लिए टीम का गठन किया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एससी कार्यालय परिसर में निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान कर्मियों ने कहा कि अब सब स्टेशनों पर उपभोक्ताओ को जागरूक करने के लिए सभाएं की जाएंगी । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इं. राजेश कुमार ने बताया कि कल 22 जून को लखनऊ में हुई ऐतिहासिक महापंचायत में प्रदेश से हजारों की संख्याओं में किसान, उपभोक्ता, बिजली कर्मियों ने भाग लिया। सबने एक मत होकर निजीकरण के खिलाफ हुंकार भरी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा जारी प्रस्ताव को जन जन तक पहुंचाने के लिए जिले के सभी कार्यालयों में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक व्यापक जन संपर्क अभियान चलाया गया।

यह क्रम लगातार जारी रहेगा। दिलीप सिंह ने बताया कि बिजली के रेट में हो रही बढ़ोतरी को लेकर अब आम जनता भी सजग हो रही है।

अगर शीर्ष ऊर्जा प्रबंधन अपनी हठधार्मिता नहीं छोड़ता है तो निश्चित रूप से उसे किसान और आम जनता के विरोध का सामना करना पड़ेगा। समिति द्वारा जारी प्रस्ताव अब सीधे जनता के बीच ले जाने के जिले में अब हर उपकेंद्र और विद्युत कार्यालयों पर सायं 5 बजे को सभाएं की जाएगी और जिले के किसान, छात्र और उपभोक्ताओं को निजीकरण से होने वाले दुष्प्रभाव और महंगी बिजली के नुकसान के बारे में समझाएंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले– काशी और अयोध्या के बाद अब मथुरा को लूटने की तैयारी

संवाददाता–अयोध्या। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा काशी और अयोध्या के बाद मथुरा को भी लूटने की तैयारी में हैं। वृंदावन के लोगों की उजड़कर गुजराती लोगों को बसाने की तैयारी है। वृंदावन से आए लोगों का परिचय कराते हुए उन्होंने कहा कि काशी की तरह ही वृन्दावन के प्राचीन मंदिरों को उजाड़ा जाएगा। बाबा विश्वनाथ के दरबार के सैकड़ों मंदिर तोड़ दिए गए। अक्षयवट को खत्म कर दिया गया।

इसी तरह मां विंध्यवासिनी के दरबार के मंदिरों को ध्वस्त कर माल में बदला गया। अयोध्या के अर्ध मंदिर का उद्घाटन किया। अब दोबारा प्राण प्रतिष्ठा की गई, जो हिंदू धर्म के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि वृन्दावन की मान्यता और आस्था को खत्म करने की कोशिश है। बांकेबिहारी का वैभव खत्म करने की साजिश है। धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल में बदल रहे हैं। यह सनातन के खिलाफ है। अन्य किसी भी देश में पुरानी धरोहरों को ध्वस्त नहीं किया गया, लेकिन यह सरकार सनातन धर्म की रक्षा का ढोंग करती है। सनातन परंपरा और मान्यता को खत्म कर रही है। सनातन परंपरा और आस्था से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

इस दौरान वृन्दावन से आए आचार्य सोहन लाल मिश्र ने कहा कि पांच सौ साल से परिवार के लोग पीढ़ी दर पीढ़ी ठाकुरजी की सेवा कर रहे हैं। जो अत्याचार अंग्रेजों और अकबर ने नहीं किया उससे कहीं ज्यादा ये भाजपा सरकार कर रही है। रात भर सो नहीं पाते। उन्होंने बिलखते हुए कहा कि हमें बांके बिहारी से अलग किया जा रहा है। यदि सरकार नहीं मानी तो हम लोग अन्न जल छोड़ देंगे और वियोग में प्राण त्याग देंगे। हम वियोग बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरिडोर के नाम पर सारा खेल चोरी चुपके किया गया। वृंदावन के लोगों को एक बार भी बताया नहीं गया। वृंदावन से हमारे पूर्वजों की आत्मा जुड़ी है। हम उसे कैसे सौंप दें। वृंदावन से आए पुजारियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि क्या वे रुपए लेकर गोरक्षपीठ को हमें दे देंगे। हम मुआवजा राशि चार गुना देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ रेलिंग बनाने से दर्शन की व्यवस्था सही हो सकती है, लेकिन सरकार धन की बंदरबांट करने के लिए कोरिडोर बनाना चाहती है।

सात साल में चौथी बार होगा राष्ट्रपति का आगमन

संवाददाता–गोरखपुर। अपनी विकासपरक उपलब्धियों पर इतरा रहे गोरखपुर में सात साल के अंदर चौथी बार राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है। इन चारों बार राष्ट्रपति को गोरखपुर में बुलाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को है। राष्ट्रपति के दौरों में दो विश्वविद्यालयों में दूसरी बार कार्यक्रम लग रहा है।

30 जून और 01 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति के दौरे में एम्स और दो विश्वविद्यालयों के इतिहास में सुनहरे पन्ने दर्ज होंगे। अपने आठ साल के कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सात वर्ष के अंदर दो राष्ट्रपतियों का कुल मिलाकर चौथा दौरा करवाने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में सबसे पहले और समग्र रूप से तीन बार बतौर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद गोरखपुर आए थे।

राष्ट्रपति कोविंद 10 दिसंबर 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह में, 28 अगस्त 2021 को आयुष विश्वविद्यालय के शिलान्यास और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में तथा 4 जून 2022 को गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह के शुभारंभ पर गोरखपुर पधारे थे। अब वर्तमान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु का प्रथम बार (30 जून और 01 जुलाई को, दो दिन के लिए) गोरखपुर आगमन होने जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु 30 जून को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होंगी। मार्गदर्शक आशीर्वचन के साथ वह मेधावियों को मेडल प्रदान करेंगी। सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद 01 जुलाई को दिन के पहले पहर में भटहट के पिपरी में बने प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करेंगी।

जबकि दिन के दूसरे पहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुलाधिपतित्व वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ऑडिटोरियम, अकादमिक भवन, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण व गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रपति गोरखनाथ मंदिर जाकर महायोगी गोरखनाथ दर्शन पूजन भी करेंगी।

जिला अस्पताल में पहुंच रहे चर्म रोग के मरीज

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में कई दिनों से हो रही बारिश व उमस भरी गर्मी में लोगों के शरीर में खुजलाहट के साथ हाथ, पीठ व पैर में चकत्ते हो जा रहे हैं। इसके कारण जिला अस्पताल के चर्म रोग विभाग में मरीजों की लंबी कतार लग रही है। जिला अस्पताल में मौसम के असर से त्वचा रोग से संबंधित मरीजों की संख्या अधिक आ रही है। त्वचा रोग के डाक्टर एसबी गौतम के ओपीडी कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी कतार लग रही है। चिकित्सक के पास उपचार कराने वाले मरीजों में सबसे अधिक शरीर में खुजलाहट के साथ बाद चकत्ते होने की बीमारी से लोग परेशान रहे।

चिकित्सक ऐसे लोगों को बाहर निकलने से बचने के साथ सफाई करने की विशेष हिदायत दे रहे थे। वहीं फिजीशियन विभाग में मरीजों की संख्या अधिक रही। यहां पर पेट दर्द व उल्टी से परेशान मरीज उपचार कराने को आ रहे थे। फिजीशियन डा. मॉज फारुखी ऐसे मरीजों को खानपान में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दे रहे थे। त्वचा रोग के लक्षण शरीर में अलग–अलग अंगों में तेज खुजली आना, बार–बार खुजली और लाल निशाना हो जाना, एक स्थान पर बार–बार खुजलाने से दाद बन जाना आदि त्वचा रोग के लक्षण हैं। खुजली से बचाव रू प्रतिदिन स्नान करें। शरीर को गंदा न रखें। साफ पानी का इस्तेमाल करें। सूती वस्त्रों का ज्यादा इस्तेमाल करें।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com